

शाश्वत विकास और समाजशास्त्र की भूमिका

गजेन्द्र कुमार मालवीय

सह- आचार्य समाजशास्त्र, विभागाध्यक्ष,

समाजशास्त्र विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झालावाड़ (राज.)

सार

शाश्वत विकास के लिए समाजशास्त्र की भूमिका, समाज की जटिलताओं को समझने और उनका समाधान करने में है। समाजशास्त्र, सामाजिक विज्ञान की एक शाखा है। यह समाज की संरचना और गतिविधियों से जुड़ी जानकारी को इकट्ठा करती है और उनका विश्लेषण करती है।

शाश्वत विकास और समाजशास्त्र का संबंध

समाजशास्त्र की मदद से, समाज की जटिलताओं को समझा जा सकता है।

समाजशास्त्र की मदद से, व्यक्तियों और संस्थाओं को जटिल सामाजिक मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने में मदद मिलती है।

समाजशास्त्र की मदद से, एक अधिक सूचित और सहानुभूतिपूर्ण समाज का निर्माण होता है।

शाश्वत विकास के बारे में ज़्यादा जानकारी

शाश्वत विकास का मतलब है, वर्तमान की ज़रूरतों को पूरा करना और यह सुनिश्चित करना कि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी ज़रूरतें पूरी कर सकें।

शाश्वत विकास के तीन स्तंभ हैं- आर्थिक, सामाजिक, और पर्यावरणीय। शाश्वत विकास को हासिल करने के लिए, इन तीनों क्षेत्रों में नीतियों को एक साथ काम करना होगा और एक-दूसरे का समर्थन करना होगा।

शाश्वत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 17 शाश्वत विकास लक्ष्य तय किए हैं।

परिचय

विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग के अनुसार शाश्वत विकास या शाश्रुत विकास (शाश्वत विकास) वह विकास है जो भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने की वर्तमान की क्षमता से समझोता किए बिना वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है। अतः पर्यावरण संरक्षण के विना विकास टिकाऊ नहीं हो सकता, अर्थात वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया जाए तथा भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए, ताकि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच वांछित संतुलन स्थापित किया जा सके।

शाश्वत विकास में, हमें मानव विकास के लिए प्रकृति का उपयोग इस तरह से करना चाहिए जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे तथा प्रकृति और विकास के बीच संतुलन बना रहे।

शाश्वत विकास लक्ष्य (एसडीजी) भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय विकास- संबंधी लक्ष्यों का एक समूह है। ये लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा बनाए गए थे और इन्हें शाश्वत विकास के लिए वैश्विक लक्ष्य के रूप में प्रचारित किया गया है। ये लक्ष्य सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों का स्थान लेंगे, जिनकी समयसीमा 2015 के अंत में समाप्त हो गई थी। ये लक्ष्य 2015 से 2030 तक लागू रहेंगे। कुल 17 लक्ष्य हैं तथा इन लक्ष्यों के लिए 169 विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित हैं। [1,2,3]

लक्ष्य

अगस्त 2015 में, 193 देशों ने निम्नलिखित 17 लक्ष्यों का समर्थन किया [2]:

गरीबी उन्मूलन सभी रूपों में और हर जगह गरीबी का उन्मूलन।

भूख उन्मूलन भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।

अच्छा स्वास्थ्य - स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी उम्र के लोगों को अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायता करना।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सभी के लिए समावेशी और समान शिक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी को आजीवन सीखने के अवसरों तक पहुंच प्रदान करने में सहायता करना।

लैंगिक समानता लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना।

स्वच्छ जल एवं स्वच्छता - सभी के लिए जल एवं स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना एवं उपलब्ध कराना।

नवीकरणीय एवं सस्ती ऊर्जा - सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना।

अच्छी नौकरियाँ और अर्थव्यवस्था सभी के लिए शाश्वत, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभ्य कार्य का समर्थन करना।

नये उद्यम और बुनियादी ढांचा अलग शब्दावली की आवश्यकता: लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिकीकरण और समृद्धि का समर्थन करने वाले नये उद्यमों को समर्थन।

असमानता को कम करना देशों के भीतर और उनके बीच असमानता को कम करना।

टिकाऊ शहर और मानव बस्तियाँ शहरों और मानव समुदायों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाना।

उपलब्ध संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग संसाधनों के टिकाऊ उपभोग और उत्पादन पैटर्न को सुनिश्चित करना।

जलवायु प्रभाव - जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल उपाय करना।

शाश्वत महासागर - शाश्वत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और शाश्वत उपयोग।

भूमि का शाश्वत उपयोग - विभिन्न शब्दावली की आवश्यकता: भूमि पर पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना, इसे बहाल करना, इसे शाश्वत रूप से उपयोग करने में सहायता करना, वनों का शाश्वत प्रबंधन करना, वनों की

कटाई को रोकना, मृदा अपरदन को रोकना और अपरदित भूमि को बहाल करना, तथा जैव विविधता की हानि को रोकना।

शांति और न्याय - शाश्वत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय प्राप्त करना, सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थाओं की स्थापना करना [4.5.6]

शाश्वत विकास के लिए साझेदारी शाश्वत विकास प्राप्त करने के लिए तंत्र को मजबूत करना और वैश्विक साझेदारी को सशक्त बनाना।

विचार-विमर्श

शाश्वत विकास की अवधारणा 1980 के दशक के उत्तरार्ध में एक विचारधारा के रूप में उभरी, जिसका उद्देश्य पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना आर्थिक उन्नति के लिए प्रयास करना था। हालाँकि अर्थव्यवस्था और पर्यावरण शाश्वत विकास की केंद्रीय विशेषताएँ हैं, लेकिन वे स्वतंत्र कारक नहीं हैं जो समाज की अन्य विशेषताओं से अलग हैं। शाश्वत विकास में एक अंतःविषय दृष्टिकोण आम है क्योंकि इसकी जटिल प्रकृति को

एक ही अनुशासन की कार्यप्रणाली के माध्यम से पर्याप्त रूप से व्यक्त नहीं किया जा सकता है। समाजशास्त्र का विषय उन क्षेत्रों में से एक है जिसे शाश्वत विकास के अंतःविषय अनुसंधान का संचालन करते समय शिक्षाविदों द्वारा अक्सर अनदेखा किया जाता है। कुछ प्रमुख मुद्दे जो दो क्षेत्रों के बीच सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं उनमें जीवन की गुणवत्ता, गरीबी और पर्यावरण संबंधी चिंताएँ शामिल हैं। ये सामान्य मुद्दे दोनों क्षेत्रों के बीच अंतःविषय सहयोग के लिए एक अवसर स्थापित करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 शाश्वत विकास लक्ष्य (एसडीजी) एक सर्वव्यापी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं जो विकसित और विकासशील दोनों देशों के लिए प्रासंगिक है। उनकी घोषणा से पहले, एसडीजी राजनीतिक वार्ता के अधीन थे, जिसके दौरान 150 से अधिक संकेतकों के मूल्यांकन मानदंडों पर चर्चा की गई थी। हालांकि, कुछ शोधकर्ताओं के अनुसार, एसडीजी रूपरेखा परिवर्तन और विकास पर सिद्धांत के पूर्ण एकीकरण को छोड़ देती है। इन सिद्धांतों को शामिल करने से बचना, वैश्विक स्थिरता पहलों के भीतर एसडीजी को प्रासंगिक बनाने की क्षमता में बाधा डालता है, साथ ही वैश्विक प्रणालियों के परिवर्तन को भी कमजोर करता है। यह एक अंतर पैदा करता है जिसे शोध सामाजिक नवाचार के माध्यम से सामाजिक परिवर्तनों को प्राप्त करने समाजशास्त्रीय सिद्धांत और विधियाँ मदद कर सकती हैं। समाजशास्त्रीय के तरीके के बारे में मार्गदर्शन के साथ स्थिरता पहलों की आपर्ति कर सकता है। [7,8,9]

बुन्डलैंड आयोग की रिपोर्ट "हमारा साझा भविष्य" ने समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण पर विचार करने के महत्व पर प्रकाश डाला, क्योंकि इसमें मनुष्य को सामाजिक संगठन के पैटर्न में योगदान देने वाले प्रमुख अभिनेता के रूप में दर्शाया गया है। इन पैटर्न के विकास को समझना स्थिरता समस्याओं के समाधान के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। समाजशास्त्र SDG के लिए उन सामाजिक पैटर्न के निहितार्थों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये पैटर्न विभिन्न हित समूहों द्वारा नवाचार पर दिए जाने वाले जोर को प्रभावित करते हैं, जो टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक है:

केंद्रीकरण के उच्च स्तर के कारण नवाचार पर कम जोर पड़ने की संभावना है

हित समूहों के भीतर विविधता का उच्च स्तर प्राथमिकताओं के जटिल और विविध मिश्रण को जन्म देगा

हित समूहों के भीतर विशेषज्ञों/पेशेवरों का उच्च स्तर नवाचार और उसकी गुणवत्ता पर अधिक जोर देगा।

स्थिरता के लिए समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

FINANCE & ECONOMICS

समाजशास्त्र शाश्वत विकास की समझ को अज्ञात दृष्टिकोणों से स्थिरता को दर्शाकर और नए दृष्टिकोण, अवधारणाएँ और विश्लेषण प्रदान करके बढ़ा सकता है जो शोधकर्ताओं के लिए विचार करने के लिए प्रासंगिक

हैं। इसमें विभिन्न मानवीय संबंधों, सामाजिक क्रियाओं, प्रेरणाओं, संस्कृति और सामाजिक संगठन की जटिल संरचनाओं की जाँच शामिल है।

सामाजिक कार्रवाई के परिणामस्वरूप स्थिरता (या उसका अभाव)

सामाजिक क्रियाओं के समन्वय का विश्लेषण करने के समाजशास्त्रीय तरीके, स्थिरता अनुसंधान के लिए एक नया परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि समाज या समुदाय ऐसे व्यवहार में क्यों संलग्न हो सकते हैं जो हानिकारक हो सकते हैं और शाश्वत विकास में बाधा डाल सकते हैं। व्यावहारिक दृष्टिकोण से, स्थिरता कार्यक्रमों के निर्णयकर्ताओं और योजनाकारों में समाजशास्त्र द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न सामाजिक प्रबंधन उपकरणों के बारे में जागरूकता या समझ की कमी हो सकती है। ये तंत्र समूह क्रियाओं को सुसंगत बनाने और सामाजिक गतिशीलता का समर्थन करने में सहायता कर सकते हैं, साथ ही सामाजिक सामंजस्य में वृद्धि कर सकते हैं।

स्थायित्व एक समस्या है, समाधान नहीं

कुछ समाजशास्त्री स्थिरता को इसके जटिल और विविध अर्थों के कारण समाधान के बजाय समस्या के रूप में देखते हैं। वे इसे वर्तमान समाज के लिए एक चुनौती के रूप में देखते हैं, जिसे स्थिरता के समाधान की पहचान करने की दिशा में काम करना चाहिए। इसलिए, एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण स्थिरता के विषय को एक सजग और समस्या उन्मुख दृष्टिकोण से संबोधित करता है, स्थिरता से जुड़े विभिन्न विरोधाभासों, दुविधाओं और विरोधाभासों पर विचार करता है। दूसरी ओर, एक गैर-समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण स्थिरता को ऐसी चीज़ के रूप में संबोधित करेगा जिसका विश्लेषण सामाजिक स्थितियों के माध्यम से किया जा सकता है, और जिसे उन दिशानिर्देशों और सिद्धांतों के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है जो वांछित स्थिति को आर्थिक परिवर्तनों, सामाजिक असमानताओं और पदानुक्रमों, उभरते संघर्षों प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। दृष्टिकोणों में ये अंतर सामाजिक और प्रथाओं को देखने पर समाजशास्त्रीय ध्यान से उत्पन्न होते हैं जो सामाजिक व्यवस्था को सही ठहराने का काम करते हैं। [10,11,1

स्थिरता पर सामाजिक संबंधों का प्रभाव

समाजशास्त्रीय अवलोकन से ऐसी अंतर्दृष्टि उत्पन्न होती है जो दर्शाती है कि समकालीन समाज, साथ ही संस्थाओं और सांस्कृतिक प्रतिमानों में स्थिरता को कैसे एकीकृत किया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समाजशास्त्रीय शोध यह समझा सकता है कि सत्ता के सामाजिक संबंध स्थिरता के साथ कैसे जुड़े हुए हैं। समाजशास्त्र इस तथ्य पर विचार करता है कि स्थिरता की परिभाषा और इसके संबंध में लिए जाने वाले निर्णय सामाजिक पदानुक्रमों के साथ-साथ प्रतिमानों द्वारा निर्धारित होते हैं।

परिणाम

शाश्वत विकास अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सबसे ज़रूरी प्राथमिकता है, और शाश्वत विकास के लिए 2030 विकास एजेंडा का मुख्य उद्देश्य है। ECOSOC शाश्वत विकास के सभी तीन स्तंभों आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पर संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के काम के केंद्र में काम करता है। यह एकीकरण, शाश्वत विकास पर कार्रवाई और अनुवर्ती कार्रवाई और समीक्षा के लिए एकीकृत मंच है।

संयुक्त राष्ट्र के कार्यात्मक और क्षेत्रीय आयोगों, तथा परिचालन और विशिष्ट एजेंसियों के लिए छत्र के रूप में, यह वैश्विक मानदंडों की स्थापना को उनके कार्यान्वयन से जोड़ता है। विविध मंचों पर, यह शाश्वत विकास को प्राप्त करने में शामिल सभी अलग-अलग लोगों और भागीदारों को एक साथ लाता है, साथ ही अपने स्वयं के व्यापक ज्ञान और मुद्दे की विशेषज्ञता को साझा करके व्यापक जागरूकता और कार्रवाई को बढ़ावा देता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर, ECOSOC के पास शाश्वत विकास के तीन स्तंभों

से जुड़े सभी प्रमुख पिछले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का अनुसरण करने की मुख्य जिम्मेदारी है, और यह शाश्वत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के साथ-साथ ऐसा करना जारी रखेगा। ज्ञान और आपसी सीखने के आदान-प्रदान के केंद्र के रूप में, इसने सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों से सीखे गए सबक की जांच करने, 2015 के बाद के एजेंडे में संक्रमण का आकलन करने और वर्तमान में 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन पर विचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ECOSOC एक नए सिरे से वैश्विक साझेदारी के दायरे की भी खोज करता है और युवाओं को अपने भविष्य पर अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। [13]

शाश्वत विकास पर विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण ECOSOC खंड, मंच और बैठकें शामिल हैं:

खंड

वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाला उच्च-स्तरीय खंड, ECOSOC के वार्षिक कार्य चक्र की परिणति का प्रतिनिधित्व करता है और इसमें सरकार, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और शिक्षा जगत के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों का एक विविध समूह शामिल होता है।

समन्वय खंड ECOSOC को आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य, पर्यावरण और संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और इसके सहायक निकायों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए अपनी चार्टर भूमिका को बेहतर ढंग से निभाने में सक्षम बनाता है। यह एकीकरण खंड और सहायक निकायों के अध्यक्षों के साथ परिषद की अनौपचारिक बैठक की जगह लेता है।

मानवीय मामलों का खंड संयुक्त राष्ट्र मानवीय प्रयासों के समन्वय को मजबूत करता है

विकास खंड के लिए परिचालन गतिविधियाँ संयुक्त राष्ट्र निधि और कार्यक्रमों के लिए समग्र मार्गदर्शन प्रदान करती हैं

प्रबंधन खंड ECOSOC की सहायक और विशेषज्ञ निकायों की रिपोर्टों की समीक्षा करता है: विकास के महों पर संयुक्त राष्ट्र प्रणाली समन्वय को बढ़ावा देता है और विशेष देश या क्षेत्रीय चिंताओं पर विचार करता है [2,3,4]

मंचों

उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच शाश्वत विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व मार्गदर्शन और सिफारिशें प्रदान करता है. तथा शाश्वत विकास प्रतिवद्धताओं के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा करता है।

विकास सहयोग मंच ने विकास सहयोग में रुझान और प्रगति की समीक्षा की शाश्वत विकास लक्ष्यों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर वहु. हितधारक मंच शाश्वत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए विषयगत क्षेत्रों के आसपास विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग पर चर्चा करता है, तथा सभी प्रासंगिक हितधारकों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में सक्रिय रूप से

योगदान करने के लिए एकत्रित करता है।

युवा मंच युवाओं की आवाज को विकास के मुद्दों पर वैश्विक नीति-निर्माण पर चर्चा में लाता है

साझेदारी मंच सरकारों, व्यवसायों और संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों और सांसदों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है

विकास के लिए वित्तपोषण पर फोरम की अनुवर्ती समीक्षा में अदीस अवावा कार्य एजेंडा, विकास परिणामों के लिए अन्य वित्तपोषण और शाश्वत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कार्यान्वयन के साधनों की समीक्षा की गई।

बैठक

कर मामलों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर ईसीओएसओसी की विशेष बैठक कर नीति और प्रशासन के उभरते मुद्दों पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है।

वैश्विक विकास आपातस्थितियों या संकटों से निपटने, जागरूकता बढ़ाने और किसी विशिष्ट स्थिति पर काम करने वाले अभिनेताओं के समन्वय के लिए उच्च स्तरीय नीति मंच के रूप में कार्य करने के लिए विशेष बैठकें

एमडीजी से एसडीजी तक संक्रमण का प्रबंधन (5,6,7)

559

Scanned with OKEN Scanner

ACE & ECONOMICS

1. चिंता

शाश्वत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2015 में स्थापित किए गए थे। 17 लक्ष्यों के साथ, हमारी दुनिया में परिवर्तनकारी बदलाव हासिल करने के लिए प्रगति के मुख्य क्षेत्रों की पहचान की गई थी। सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों (एमडीजी) की तरह, एसडीजी को लागू करना और गति प्राप्त करना मुश्किल साबित हुआ है। गरीबी और अन्य सभी परस्पर संबंधित एसडीजी ने बहुत कम प्रगति की है। स्थिति खराब हो गई है और कुछ सदस्य देशों ने वर्तमान कोविड 19 महामारी के दौरान और भी अधिक संघर्ष किया है।

सामाजिक कार्य पेशे से जुड़ी चिंता यह है कि महामारी के बाद एसडीजी का एजेंडा खत्म हो सकता है, और अनुमानित वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल अगले 5-10 वर्षों में वैश्विक शासन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगी। दुर्भाग्य से, हमें उन लोगों और समुदायों पर विनाशकारी नकारात्मक प्रभाव की उम्मीद करनी होगी जिनके साथ हम मिलकर काम करते हैं, और बहुत अमीर और पहले से ही गरीबी में रहने वाले बहुसंख्यक के बीच की खाई स्थानीय और वैश्विक स्तर पर समाजों में मौजूदा असमानता की खाई को चौड़ा और गहरा करेगी। इसके अतिरिक्त, अनुचित विरोधाभास यह है कि जो लोग अक्सर वैश्विक विफलताओं, कुविकास और नकारात्मक प्रभावों से सबसे अधिक पीड़ित होते हैं, वे आमतौर पर इन सामाजिक और पारिस्थितिक बीमारियों में सबसे कम योगदान देते हैं, और इसे पर्यावरणीय अन्याय के रूप में जाना जाता है। यह व्यक्तियों और उनके समुदायों के लिए अस्थिर करने वाला है। ऐसी वैश्विक चुनौतियाँ वैश्विक परिवर्तन की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं [8,9,10]

605

यह पत्र पुष्टि करता है कि

क) आईएफएसडब्ल्यू द्वारा संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों के लिए समर्थन को स्पष्ट किया गया है

ख) संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों के लिए सामाजिक कार्य पेशेवर योगदान को स्पष्ट किया गया है

२। पृष्ठभूमि

सामाजिक कार्य संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का समर्थन करते करता है?

संयुक्त राष्ट्र एजेंडा 2030 एक मील का पत्थर समझौता है इतिहास में पहले सभी भी 193 देशों ने एक साझा एजेंडा स्थापित नहीं किया और उस पर सहमति नहीं जताई। एसडीजी में तीन विषयगत स्तंभ शामिल हैं सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक चर्चाएँ। जो परिवर्तन को संबोधित करने के लिए 17 लक्ष्यों और 169 संकेतकों को परिभाषित करते हैं। सभी लक्ष्य और संकेतक समान रैंक के हैं और आपस में जुड़े हुए हैं, लेकिन कार्रवाई के लिए उनकी प्रासंगिकता देश और भौगोलिक क्षेत्रों के बीच भिन्न होती है। अंतर्संबंध का मतलब है कि हर बदलाव या विकास में, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक उपलब्धियों को समान रूप से शामिल किया जाएगा, उदाहरण के लिए: समान आकार में सामाजिक और पारिस्थितिक प्रभाव के बिना कोई आर्थिक लक्ष्य नहीं।

इसके अलावा, एसडीजी अब सरकारों, बहुपक्षीय संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और व्यापार क्षेत्र के बीच वैश्विक भाषा का हिस्सा बन गए हैं। दुनिया भर के सामाजिक कार्यकर्ता पहले से ही सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, अपने समुदायों के साथ मिलकर परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए काम कर रहे हैं, जैसा कि आईएफएसडब्ल्यू द्वारा ग्लोबल एजेंडा रिपोर्ट्स, आगे के सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाशनों में प्रकाशित किया गया है और विश्व सामाजिक कार्य दिवसों के दौरान कई योगदानों में प्रदर्शित किया गया है। चिंता यह है कि कोविड 19 से उबरने के साथ, इस सकारात्मक प्रगति का कुछ हिस्सा उन संकटों में खो सकता है जो अनुमानित वैश्विक आर्थिक सुनामी के बाद आ सकते हैं।

एसडीजी लक्ष्य महत्वाकांक्षी हैं। 2019 की ग्लोबल सिविक सोसाइटी स्पाॅटलाइट रिपोर्ट ने प्रदर्शित किया कि संयुक्त राष्ट्र एसडीजी की परिवर्तनकारी शक्ति के लिए बड़ी उम्मीदों के बावजूद, अपनाने के पांच साल बाद भी अधिकांश देश अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति से पीछे हैं। सरकारें

& ECONOMICS

संयुक्त राष्ट्र एसडीजी परिवर्तनकारी दृष्टि [1] की दिशा में अपने प्रयासों के साथ संघर्ष करती हैं। [11,12,13]

2019 में संयुक्त राष्ट्र के अपने शोध समूह द्वारा भी इसी तरह के नकारात्मक परिणाम बताए गए हैं। यह पहचानने के बाद कि अपर्याप्त कार्रवाई की गई है और कई देश संयुक्त राष्ट्र एसडीजी को प्राप्त करने की दिशा में काम नहीं कर रहे हैं, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी भाषा बदल दी और हर स्तर पर कार्रवाई का आह्वान किया: अधिक लोगों को सक्रिय होने की आवश्यकता है और उपायों को समन्वित करने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र एसडीजी पर विशेषज्ञ समूह की बैठक ने संयुक्त राष्ट्र एजेंडा 2030 के पहले चार वर्षों से सीखे गए सबक को संक्षेप में प्रस्तुत किया, कि:

"[...] यहां पूरे समाज का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, न केवल उन आबादी तक पहुंचने के लिए, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने और उन्हें न केवल बुनियादी सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए, बल्कि उन्हें अवसर प्रदान करने के लिए भी। इसके अलावा, न केवल समाजों बल्कि सरकारों के बीच भी जागरूकता बढ़ाने की अभी भी बहुत आवश्यकता है।" [2]

अपने कार्यवाई आह्वान में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने व्यवसायों, सामाजिक स्तरों, क्षेत्रों और राष्ट्रों के सभी लोगों से लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नवीन समाधानों और मजबूत नीतियों के निर्माण की दिशा में काम करने का आह्वान किया है [3]।

IFSW जानता है कि सामाजिक कार्य पेशा एक मजबूत और मान्यता प्राप्त भागीदार हो सकता है और होना भी चाहिए। हालाँकि, उल्लिखित सभी 17 लक्ष्यों के विषयों पर संरचनात्मक परिवर्तन आवश्यक है। आवास, पारिस्थितिकी और सामाजिक सुरक्षा केवल कुछ विषय हैं जिनका उल्लेख किया गया है, लेकिन कई और भी हैं। आईएफएसडब्ल्यू संयुक्त राष्ट्र के सामाजिक विकास लक्ष्यों की पुष्टि और पारिस्थितिकीय परिवर्तनकारी बदलाव को बढ़ावा देने के लिए उनकी गति समर्थन करता है, तथा वैश्विक स्तर पर सामाजिक, आर्थिक और और उनके द्वारा सृजित अवसरों को मान्यता देता है।

सामाजिक कार्यकर्ता संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों में किस प्रकार योगदान करते हैं

सामाजिक कार्य एसडीजी की परिभाषा

संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्य द्वारा सामाजिक कार्य को प्रदान किए गए साधन के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए, तथा इसके विपरीत, सामाजिक कार्य की अपनी परिभाषा तथा स्थिरता, विकास और लक्ष्य शब्दों की समझ को स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि सामाजिक कार्य स्वयं को यह अधिदेश दे रहा है।

स्थिरता सामाजिक कार्यकर्ता स्थिरता को ऐसे पैटर्न और नीतियों के रूप में समझते हैं जो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए मनुष्यों और प्रकृति सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की भलाई के लिए दीर्घकालिक समाधान स्थापित करते हैं। स्थिरता में वे तरीके शामिल हैं जिनसे हम अपने 'पारिस्थितिक पदचिह्न' या उपभोग पैटर्न के पहलुओं को कम कर सकते हैं ताकि पहले स्थान पर होने वाले नुकसान और अन्याय को कम किया जा सके। एक पारिस्थितिक पदचिह्न उस बोझ का अनुमान है जो हम अपनी दुनिया पर डालते हैं क्योंकि हम ऊर्जा, भोजन, भूमि और पानी का उपभोग करते हैं। [4]

जलवायु परिवर्तन एक आवश्यक वैश्विक विषय है। जलवायु परिवर्तन अब एक जलवायु संकट बन गया है और एक ऐसे बिंदु के करीब है जहाँ अभूतपूर्व प्राकृतिक आपदाओं की उम्मीद की जानी चाहिए। यह स्पष्ट है कि यह

पात्रा, औद्योगिक प्रदूषण, विषाक्त कृषि पद्धतियों, मिट्टी के कटाव, रेगिस्तानीकरण और आम तौर पर प्राकृतिक पर्यावरण के विनाश से जल, भूमि और वायु संदूषण से गुजरा है। इसलिए, एक स्वस्थ चक्र बनाने के लिए, कि लोग प्रकृति को उतना ही वापस दें जितना वे लेते हैं, यही लक्ष्य होना चाहिए। वैश्वीकरण और पर्यावरण पर अपने नीति पत्र में, IFSW ने कहा [12,13]

"[...] आज और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सामाजिक कार्य अभ्यास और प्रबंधन में पर्यावरण के लिए जिम्मेदारी और देखभाल विकसित करना, अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए अन्य पेशवरों के साथ काम करना और सामुदायिक समूहों के साथ वकालत कौशल और रणनीति विकसित करना ताकि एक स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में काम किया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि पर्यावरणीय मुद्दों को सामाजिक कार्य शिक्षा में अधिक उपस्थिति मिले।" [5]

विकास। लोगों (पूरे समाज), शांति और ग्रह के लिए सर्वश्रेष्ठ सभी गतिविधियों का केंद्र होना चाहिए। बहुसंख्यक लोगों के कंधों पर थोड़े से लोगों का लाभ, केवल आर्थिक-संचालित विकास का नकारात्मक संकेत है। सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए, 'विकास' को आर्थिक अर्थ में नहीं समझा जाता है, न ही इसे किसी 'अविकसित' समूह या समाज को परिभाषित करना चाहिए, जिसे किसी अन्य 'विकसित' समूह या समाज के स्तर तक पहुंचना चाहिए। विकास एक व्यक्ति, समूह या समाज के भीतर परिवर्तन की एक गतिशील सर्व-समावेशी प्रक्रिया है, जो लोगों और ग्रह दोनों के लिए कल्याण का प्रयास करती है। सामाजिक कार्यकर्ता विभिन्न सिद्धांतों पर विचार करते हैं, जैसे कि क्षमता दृष्टिकोण [6], समाज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय आधारों को ध्यान में रखते हुए, इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता की क्रियाएँ स्वतंत्रता और कल्याण तक पहुँचने के लिए सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों और समग्र और शाश्वत विकास के सिद्धांतों से प्रेरित होती हैं [7]। 'विकास' और 'परिवर्तन' शब्द आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, जबकि विकास प्रक्रिया-उन्मुख है, परिवर्तन का उद्देश्य एक अभूतपूर्व स्थिति/परिस्थिति में पूर्ण परिवर्तन है। दोनों को एक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, और दोनों को-टिकाऊ होने के लिए तथा सभी के लिए सर्वोत्तम संभव सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए - एक समग्र समाज दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां समुदाय सृजन, योजना, कार्य और मूल्यांकन के सभी चरणों में शामिल हों। कार्यकर्ताओं के पास अपने लक्ष्य होते हैं और वे उन्हें बनाते हैं। सामाजिक लक्ष्य | IFSW के सामाजिक कार्य वैश्विक एजेंडा के अनुसार सामाजिक कार्य की वैश्विक परिभाषा नैतिकता का कथन और नीति पत्र सभी सामाजिक कार्य कार्यवाही की जरूरतों और उद्देश्य के द्वारे में हमारी समझ को व्यक्त जरूरतों (किसी को पीछे न छोड़ना) सहित नीचे से ऊपर (समुदाय और लोगो करते हैं। हमारा सामाजिक कार्य दृष्टिकोण मुख्य रूप से लोगों के ज्ञान और द्वारा संचालित) भागीदारीपूर्ण तरीके से लक्ष्य बनाता है।

भागीदारी - सामाजिक कार्य में एक बुनियादी सिद्धांत

सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए साझेदारी का अर्थ है ज्ञान और अंतर्दृष्टि को साझा करना तथा सहयोगात्मक एवं सुसंगत रूप से समाधान तैयार करना और स्थापित करना।

यह IFSW की दृष्टि और नैतिक सिद्धांतों में है कि सामाजिक कार्य पेशा अन्य भागीदारों के साथ रणनीतिक रूप से काम करने में अपने दायित्वों को पूरा करता है। IFSW के सदस्य पहले से ही संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और सरकारों के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे समुदायों, SDG और अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंडों के बीच जुड़ाव संभव होता है। व्यक्तियों, समूहों और नागरिक समाज के साथ मिलकर, सामाजिक कार्यकर्ता सिद्धांत और व्यवहार के बीच और स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारियों के बीच पुल का निर्माण कर रहे हैं। समुदायों की रक्षा करने और विभिन्न भागीदारों के साथ साझा करने के लिए सामाजिक कार्य की अनूठी जिम्मेदारी लेने के लिए संरचनात्मक आधार का विश्लेषण करना आवश्यक है। [12]

सामाजिक कार्यकर्ता समझते हैं कि संयुक्त राष्ट्र एसडीजी के ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण के साथ उनके नीचे से ऊपर के दृष्टिकोण का संयोजन सरकारी नियामक प्रयासों (यानी नीति दस्तावेज, वैश्विक एजेंडा) और अभ्यास (यानी लोगों और नागरिक समाजों के साथ दैनिक कार्य, परिचालन कार्यान्वयन) के बीच अंतराल को पाटने की महान क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है।

वैश्विक नीतियों और एजेंडों के वित्तीय निहितार्थ भी होते हैं - और इसके विपरीत भी। इसलिए, वर्तमान असमान वैश्विक पूंजीवाद को एक नई संधारणीय वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बदलना होगा, जो लोगों और ग्रह दोनों के शोषण पर प्रतिबंध लगाती है, जो एकजुटता, निष्पक्षता और पूरे समाज और पर्यावरण की बेहतरी पर आधारित है। सामाजिक कार्यकर्ता सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना जारी रखेंगे, लोगों और प्रकृति के शोषण के खिलाफ और अन्यायपूर्ण संरचनाओं के खिलाफ खड़े होंगे जो कुछ लोगों के हाथों में धन के संकेन्द्रण की अनुमति देते हैं।

कोविड-19 महामारी के बाद की

दुनिया कोविड-19 महामारी के बाद की दुनिया खुद को उस समय की दुनिया से बहुत अलग रूप में पेश करती है जब 2015 में एसडीजी एजेंडा निर्धारित किया गया था। कोविड-19 महामारी ने अब खुद को वैश्विक आर्थिक भविष्य के चालक के रूप में स्थापित कर लिया है। इसने अभूतपूर्व सामाजिक परिवर्तन को जन्म दिया है। साथ ही, जलवायु न्याय का मुद्दा एक अन्य प्रमुख कारक के रूप में उभरा है, जिससे तीनों स्तंभ अत्यधिक दृश्यमान और महत्वपूर्ण हो गए हैं। सामाजिक कार्य पेशे के काम पर दृश्यता बढ़ेगी। इसके लिए आवश्यक है कि IFSW आगे के कार्य को संबोधित करना जारी रखे और एसडीजी के पहले से सहमत समर्थन पर इन वैश्विक आंदोलनों का समर्थन करे।

संक्षेप में, IFSW के लक्ष्यों को संयुक्त राष्ट्र के शाश्वत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि 'किसी को भी पीछे न छोड़ना' के दृष्टिकोण के साथ न्यायपूर्ण और निष्पक्ष दुनिया के लिए वैश्विक परिवर्तन के लिए उनका महत्व है। संयुक्त राष्ट्र के शाश्वत विकास लक्ष्यों की विशाल क्षमता और वैश्विक सहमति उनकी कमियों से कहीं अधिक है, जो उन्हें हर स्तर पर कार्रवाई के लिए एक अभूतपूर्व, सहमत साधन बनाती है।

3. सामाजिक कार्य कार्यक्रमों में संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों को शामिल करने पर आईएफएसडब्ल्यू नीति वक्तव्य 'दुनिया को बदलने' और 'किसी को पीछे न छोड़ने' के परिभाषित आम वैश्विक लक्ष्यों पर लक्षित सफल और टिकाऊ प्रभाव की दिशा में गति अव है। वैश्विक और राष्ट्रीय एजेंडा उन लोगों और समुदायों और उनके पर्यावरण के लिए, महत्वपूर्ण हैं जिनके साथ हम काम करते हैं। इस अर्थ में, सामाजिक कार्य संयुक्त राष्ट्र एसडीजी और इसकी महत्वाकांक्षाओं के लिए एक प्रमुख भागीदार है। क्योंकि यह समुदायों की शिकायतों और नीतिगत लक्ष्यों के साथ व्यस्तताओं को दूर करने और व्यक्त करने में योगदान दे सकता है।

सामाजिक कार्य के दृष्टिकोण से, हम समुदायों को पारदर्शिता और भागीदारी के लिए सूचना और शिक्षा प्रदान करके लोगों के अधिकारों (नीचे से ऊपर तक) को बढ़ावा देते हैं। हम सभी के योगदान को रेखांकित करते हैं और बुनियादी ढांचे, प्रणालियों और सेवाओं के संबंध में नीति स्तर पर निर्णयों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। परिवर्तन के पैरोकार के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता परिवर्तन को और अधिक प्रभावित करते हैं, समुदायों को प्रभावित करते हैं ताकि एक न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, एकजुट और पर्यावरण के अनुकूल दुनिया में परिवर्तन को सक्षम किया जा सके।

सामाजिक कार्यकर्ता स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समुदायों के बीच और विभिन्न साझेदारों के बीच साझेदारी को सुविधाजनक बनाते हैं और बढ़ावा देते हैं, ताकि संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों को विभिन्न तरीकों (सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक) से क्रियान्वित किया जा सके और कार्यान्वयन कार्रवाई के लिए टिकाऊ समाधानों के नए ज्ञान को एक साथ डिजाइन किया जा सके। [13]

निष्कर्ष

संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन से संबंधित अवसरों और अंतरालों को संबोधित करें जिन्हें सामाजिक कार्यकर्ता स्थानीय स्तर पर देखते हैं। अंतिम लेकिन कम महत्वपूर्ण नहीं, संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों के उद्देश्यों के प्रति सरकार की जवाबदेही और दायित्व को प्रत्येक नीति विकास, राजनीतिक निर्णय और बजट योजना में संतुलित तरीके से (तीन स्तंभों) पहचाना जाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ता परिवर्तन के एजेंट हैं- संयुक्त राष्ट्र एसडीजी एक समग्र और अंतःविषय बहुक्षेत्रीय उपलब्धि/दृष्टिकोण को स्थापित करने और गहरा करने के लिए अन्य व्यवसायों, भागीदारों, सामाजिक आंदोलनों और हितधारकों के साथ संपर्क करने के लिए एक अनूठा नेटवर्क प्रदान करता है।

जलवायु न्याय की आवश्यकता पर जोर दें जो हमारे साथ काम करने वाले लोगों को प्रभावित कर रहा है, जो जलवायु संकट से पहले भी असुरक्षित परिस्थितियों में थे। इसलिए, सामाजिक कार्यकर्ताओं और उनके संगठनों को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों के लिए मजबूत प्रतिवद्धता देनी चाहिए।

वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों को मजबूत भागीदारी बनाने और संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति का आम तौर पर समर्थन करने के लिए आमंत्रित करें। सरकारें सामाजिक नीतियों और संयुक्त राष्ट्र शाश्वत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सामाजिक कार्य को मानवाधिकार पेशे के रूप में मान्यता देंगी।

सामाजिक सेवाओं की वकालत करना तथा एक मजबूत और कुशल सामाजिक कार्य पेशे और राष्ट्रीय सामाजिक कार्य संघ को बढ़ावा देना ताकि साझेदारों और हितधारकों के लिए दृश्यमान हो सके।

सामाजिक कार्य शिक्षा, स्कूल और प्रशिक्षण में सामाजिक संरक्षण प्रणाली, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी, साथ ही इस दस्तावेज़ में निहित महत्वपूर्ण दिशानिर्देशों को उनके पाठ्यक्रम में एकीकृत करें।

अपने सदस्यों को सत्ता संबंधों के आलोचनात्मक विश्लेषण में योगदान देने तथा भविष्य के एजेंडा और नीतियों में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए समर्थन देना । [13]

संदर्भ

1) IFSW (2012). वैश्वीकरण और पर्यावरण। मई 2020 में

<https://www.ifsw.org/globalisation-and-the-environment/> के अंतर्गत पाया गया

2) IFSW (2014)। सामाजिक कार्य की वैश्विक परिभाषा। मार्च 2020 में <https://www.ifsw.org/what-is-social-work/global-definition-of-social-work/> के अंतर्गत पाया गया।

3) IFSW (2016) | सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों में सामाजिक कार्य की भूमिका। सामाजिक सुरक्षा का सार्वभौमिक अधिकार। नीति पत्र। जनवरी 2020 में यहाँ पाया गया: <https://www.ifsw.org/the-role-of-social-work-in-social-protection-systems-the-universal-right-to-social-protection/>

IFSW (2018) / सामाजिक कार्य नैतिक सिद्धांतों का विवरण। जनवरी 2020 में <https://www.ifsw.org/global-social-work-statement-of-ethical-principles/> पर पाया गया।

5) OPHI (2021)। क्षमता दृष्टिकोण का परिचय। जनवरी 2021 में <https://ophi.org.uk/introduction-to-the-capability-approach-g/> के अंतर्गत पाया गया।

6) पॉवर्स, मेरेडिथ एट अल. (2020), 'रेडिकल सोशल वर्क प्रैक्टिस के रूप में परिवर्तनकारी विकल्पों के लिए डी-ग्रोथ'। क्रिटिकल एंड रेडिकल सोशल वर्क, वॉल्यूम 7, नंबर 3, (पृष्ठ 417-433) में। पॉलिशी प्रेस। यहाँ पाया गया:

https://www.researchgate.net/publication/336766528_Degrouth_for_transformational_alternatives_as_radical_social_work.practice

7) 2030 एजेंडा (2019) पर समूह की प्रतिक्रिया। स्पोटलाइट रिपोर्ट 2019। फरवरी 2020 में यहाँ पाया गया:
https://www.2030spotlight.org/en/book/1730/chapter/1-increasing-concentration-wealth-and-economic-power-obstacle-sustainable#footnote10_utsqgho

8) शाश्वत विकास। (2019)। ज्ञान मंच। फरवरी 2020 में पाया गया:
<https://sustainabledevelopment.un.org/sdgs>

9) पार्टनरिंग इनिशिएटिव और संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग (2019)। एसडीजी के लिए साझेदारी के प्रभाव को अधिकतम करना। फरवरी 2020 में यहाँ पाया गया:
https://sustainabledevelopment.un.org/content/documents/9564Partnerships_for_the_SDGs_Maximising_Value_Guidebook

10) यूएनडीपी (2018)। किसी को पीछे न छोड़ना क्या मायने रखता है? फरवरी 2020 में

<https://www.undp.org/content/undp/en/home/librarypage/poverty-reduction/what-does-it-mean-to-leave-no-one-behind-.html> पर पाया गया

11) गया: संयुक्त राष्ट्र (2019) 1। भविष्य अव है। फरवरी 2020 में यहाँ पाया

https://sustainabledevelopment.un.org/content/documents/24797GSDR_report_2019.pdf

12) संयुक्त राष्ट्र (2020)। हमारी दुनिया को बदलने के लिए दस साल । फरवरी 2020 में यहाँ पाया गया:
<https://www.un.org/sustainabledevelopment/decade-of-action/>

13) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफ़ोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (2019)। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2019. <http://hdr.undp.org/en/2019-MPI>